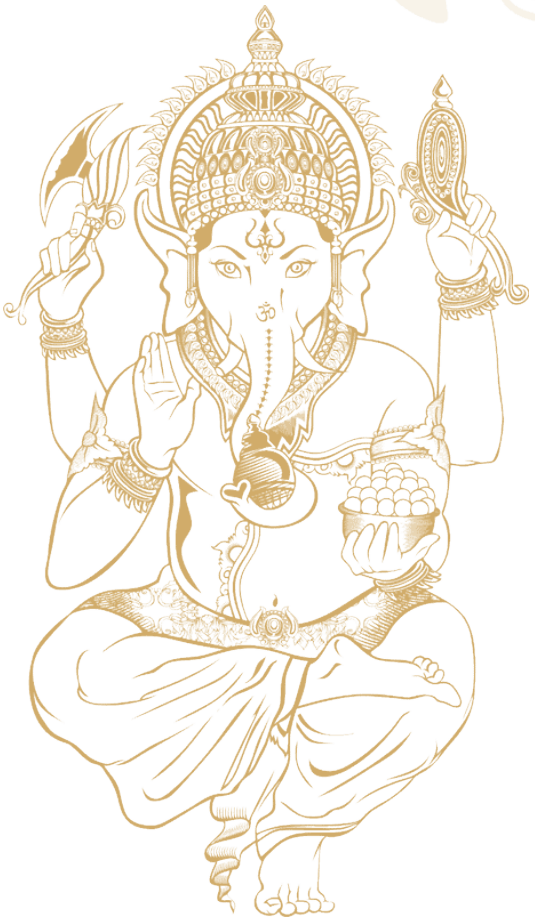

H megha

Megha d

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121708804

पुल्लिंग		
पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1988	जन्म तिथि	5-06/02/1990
रविवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 22:20:00	जन्म समय	05:55:00 घंटे
घटी 41:42:13	जन्म समय(घटी)	57:14:40 घटी
India	देश	India
Shivpuri	स्थान	Bhopal
25:26:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
77:39:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:24	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:06	सूर्योदय	06:58:56
19:11:57	सूर्यास्त	18:09:34
23:41:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 9मा 23दि		00:38:38	मीन		लग्न		मक	04:30:33	मंगल 0वर्ष 6मा 6दि	
मंगल		01:36:28	कर्क		सूर्य		मक	23:13:41	शनि	
11/05/2024		13:27:24	सिंह		चंद्र		मिथु	05:40:49	13/08/2024	
12/05/2031		08:02:13	मीन		मंगल		धनु	11:38:22	14/08/2043	
मंगल	07/10/2024	14:32:22	मिथु		बुध		धनु	28:34:29	शनि	17/08/2027
राहु	26/10/2025	05:32:57	वृष		गुरु	व	मिथु	07:40:13	बुध	26/04/2030
गुरु	01/10/2026	23:14:36	वृष		शुक्र	व	धनु	27:18:48	केतु	05/06/2031
शनि	10/11/2027	03:39:42	धनु	व	शनि		धनु	26:03:30	शुक्र	05/08/2034
बुध	06/11/2028	21:18:32	कुंभ	व	राहु		मक	22:46:17	सूर्य	18/07/2035
केतु	05/04/2029	21:18:32	सिंह	व	केतु		कर्क	22:46:17	चन्द्र	15/02/2037
शुक्र	05/06/2030	04:17:29	धनु	व	हर्ष		धनु	14:03:35	मंगल	27/03/2038
सूर्य	11/10/2030	14:39:21	धनु	व	नेप		धनु	19:36:14	राहु	31/01/2041
चन्द्र	12/05/2031	16:03:46	तुला	व	प्लूटो		तुला	24:00:46	गुरु	14/08/2043

लग्न-चलित

लग्न-चलित

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

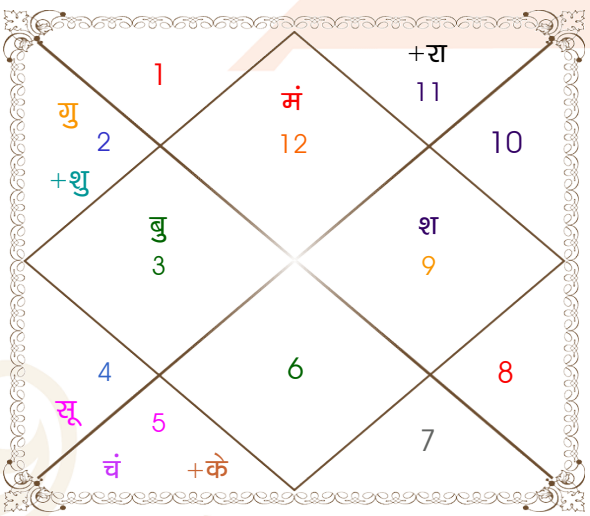

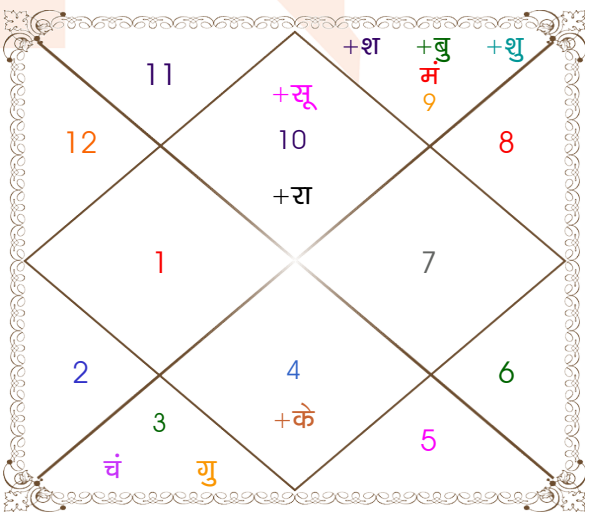

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Megha d का नक्षत्र मृगशिरा है।

H megha का वर्ग मूषक है तथा Megha d का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार H megha और Megha d का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

H megha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Megha d मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Megha d कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Megha d कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु H megha कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

H megha तथा Megha d में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।